



# कौटिल्य एकेडमी

**डेली करंट अफेयर्स (10-04-2024)**

## **मनोज पांडा (16वें वित्त आयोग के सदस्य) :**

- केंद्र सरकार ने अर्थशास्त्री मनोज पांडा को 16वें वित्त आयोग का सदस्य नियुक्त किया है।
- अर्थ ग्लोबल के कार्यकारी निदेशक निरंजन राजाध्यक्ष के आयोग में शामिल होने में असमर्थता जताने के बाद पांडा की नियुक्ति की गई है।

- 16वें वित्त आयोग का गठन 31 दिसंबर 2023
- 16वें वित्त आयोग की सिफारिश 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2032 तक लागू रहेगी।
- 15वें वित्त आयोग की नियुक्ति 2017 में राष्ट्रपति द्वारा की गई थी, और इसकी अध्यक्षता एन.के.सिंह ने की थी। 15वें

वित्त आयोग ने 2020-21 से 2025-26 तक छह साल की अवधि के लिए अपनी सिफारिशें कीं।

**Centre appoints  
Manoj Panda  
as member of  
16th Finance  
Commission**



## **16वें वित्त आयोग अध्यक्ष एवं सदस्य; -**

- अनुच्छेद 280 के अनुसार, वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य शामिल होते हैं।
- अध्यक्ष - डॉ. अरविंद पनगड़िया
- चार सदस्य:-
  - 1) अजय नारायण झा
  - 2) एनी जॉर्ज मैथ्यू
  - 3) मनोज पांडा
  - 4) सौम्य कांति घोष- अंशकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त



## **सोलहवां वित्त आयोग निम्नलिखित विषयों के संबंध में सिफारिशें करेगा, अर्थात् :-**

- संघ और राज्यों के बीच करों की निवल आय का वितरण, जो संविधान के अध्याय I, भाग XII के अधीन उनके बीच विभाजित किया जाना है या किया जा सकता है और ऐसी आय के संबंधित शेयरों के राज्यों के बीच आबंटन

- वे सिद्धांत जो भारत की संचित निधि में से राज्यों के राजस्व के सहायता अनुदान को नियंत्रित करें और संविधान के अनुच्छेद 275 के अधीन राज्यों को उनके राजस्व के सहायता अनुदान के रूप में उस अनुच्छेद के खंड (1) के प्रावधानों में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अलावा अन्य प्रयोजनों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि; और राज्य के वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राज्य में पंचायतों और नगरपालिकाओं के संसाधनों को संपूरित करने के लिए राज्य की संचित निधि में वृद्धि करने के लिए आवश्यक उपाय।
- सोलहवां वित्त आयोग आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) के तहत गठित निधियों के संदर्भ में आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण पर वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा कर सकता है और उन पर उचित सिफारिशें कर सकता है।
- सोलहवें वित्त आयोग से अनुरोध किया गया है कि वह 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले पांच वर्षों की अवधि को कवर करते हुए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराए।

### वित्त आयोग के बारे में:-

- संविधान के अनुच्छेद 280 (1) के तहत राष्ट्रपति द्वारा वित्त आयोग का गठन किया गया है।
- अनुच्छेद 280 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति को हर 5 साल में या उसके पहले वित्त आयोग का गठन करना होगा।
- वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य होते हैं।
- पहला वित्त आयोग 22 नवंबर 1951 को अस्तित्व में आया और इसके अध्यक्ष केसी नियोगी थे।



INDORE

## इग्ला-एस (IglA-S) मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (मैनपैड्स)

- हाल ही में भारतीय सेना को रूस से इग्ला-एस (IglA-S) मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (मैनपैड्स) के पहले बैच की आपूर्ति कर दी है।
- पहले बैच में 24 इग्ला-एस की आपूर्ति की गई है, जिनमें 100 मिसाइलें भी शामिल हैं। इस सौदे के तहत इग्ला-एस का भारत में घरेलू स्तर पर भी उत्पादन होगा।

### इग्ला-एस (IglA-S) के बारे में:-

- इग्ला-एस एक मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली है।
- इग्ला-एस प्रणाली में एक एकल लांचर और एक मिसाइल शामिल है।
- इसे कंधे पर रख कर दुश्मन के विमान को गिराने के लिए फायर किया जा सकता है।
- हाथ से पकड़ी जाने वाली रक्षा प्रणाली कम ऊंचाई पर उड़ रहे विमानों को गिराने की क्षमता रखता है।
- यह क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई टारगेट की भी पहचान कर सकता है और उन्हें टर्मिनेट कर सकता है।

## पहले बैच में भारतीय सेना को मिलीं 24 इग्ला-एस मैनपैड्स



## टीएसएटी -1ए (TSAT-1A)

- टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) ने सैटलॉजिक के सहयोग से, भारत के पहले निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित सब-मीटर रिज़ॉल्यूशन पृथ्वी अवलोकन उपग्रह TSAT-1A को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।
- इसे 7 अप्रैल को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के माध्यम से फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लो-अर्थ ऑर्बिट में तैनात किया गया था।

### टीएसएटी-1ए (TSAT-1A) के प्रमुख बिंदु:-

- 'TSAT-1A' एक सैन्य उपयोगी उपग्रह है।
- इसे स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।
- TSAT-1A उपग्रह का वजन 50KG है।
- इस पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया है।
- उपग्रह एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह है।
- रिमोट सेंसिंग का मतलब किसी वस्तु के संपर्क में आए बिना दूर से डेटा एकत्र करना है।



## ब्रह्मांड का नया 3डी मानचित्र एवं डार्क एनर्जी

- हाल ही में ब्रह्मांड के सबसे समग्र "त्रि-आयामी" मानचित्र का अनावरण किया है, जो वैज्ञानिकों का मानना है, डार्क एनर्जी के बारे में कुछ रहस्यों को उजागर कर सकता है, वह शक्तिशाली शक्ति जिसे ब्रह्मांड को अनियंत्रित रूप से विस्तारित करने के लिए प्रेरित माना जाता है।
- मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च नेतृत्व में एक भारतीय टीम सहित शोधकर्ताओं ने डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (DESI) द्वारा अवलोकन के पहले वर्ष से अपने निष्कर्ष प्रकाशित किए हैं।

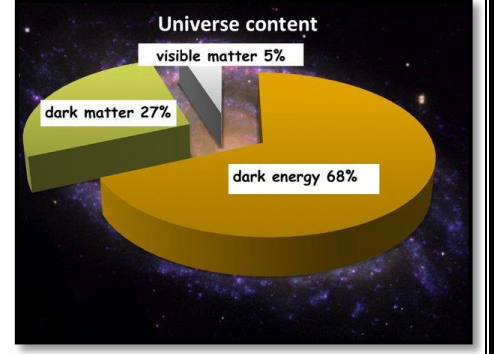


### डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (DESI):

- डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (DESI) एक अनोखा उपकरण है, जो एक बार दूरबीन पर फिट हो जाने पर, एक ही समय में 5,000 आकाशगंगाओं से प्रकाश ग्रहण कर सकता है।
- यह दुनिया भर के संस्थानों में 900 से अधिक शोधकर्ताओं का एक सहयोगी प्रयास है। भारत से, मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, एकमात्र भाग लेने वाली संस्था है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिज़ोना में मेयॉल 4-मीटर टेलीस्कोप पर लगे DESI का उपयोग करके, शोधकर्ता ने ब्रह्माण्ड का सबसे विस्तृत मानचित्र तैयार करने के लिए 60 लाख आकाशगंगाओं से प्रकाश को मापने में सक्षम हुए हैं – जिनमें से कुछ 11 अरब साल पहले अस्तित्व में थी, वह भी इन आकाशगंगाओं के बीच की दूरी के बारे में अभी तक की सबसे सटीक जानकारी के साथ।
- वैज्ञानिकों को उम्मीद है, कि यह उन्हें डार्क एनर्जी के रहस्य का पहला सुराग दे सकता है, जो ब्रह्मांड का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा बनाती है, लेकिन जिसके बारे में कुछ भी ज्ञात नहीं है।
- शादाब आलम ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि "मुख्य बात यह है कि हम इन आकाशगंगाओं के बीच की दूरी को बहुत उच्च सटीकता के साथ मापने में सक्षम हैं। इसलिए हम इसे त्रि-आयामी मानचित्र कहते हैं। अन्यथा, हमारे पास ब्रह्मांड में करोड़ों वस्तुओं की एक सूची है। हमने इन वस्तुओं की पहचान कर ली है, लेकिन उनमें से अधिकांश के बारे में हम नहीं जानते कि वे हमसे कितनी दूर हैं। आकाशगंगाओं की सटीक दूरी जानना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें ब्रह्मांड की विस्तार दर की गणना करने की अनुमति मिलती है"।
- DESI ने मापा है कि प्रत्येक 32.6 करोड़ प्रकाश वर्ष, एक इकाई खगोलविद मेगा पारसेक के रूप में परिभाषित करते हैं, की दूरी के बाद ब्रह्मांड की विस्तार दर 68.5 किमी प्रति सेकंड बढ़ रही थी।

## डार्क एनर्जी:-

- डार्क एनर्जी ब्रह्मांड का लगभग 68% हिस्सा बनाती है।
- यह अंतरिक्ष में निर्वात से जुड़ी हुई है।
- यह पूरे ब्रह्मांड में समान रूप से वितरित है।
- समान वितरण का मतलब है कि डार्क एनर्जी का कोई स्थानीय गुरुत्वाकर्षण प्रभाव नहीं होता है, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड पर प्रभाव पड़ता है।
- इससे एक प्रतिकारक शक्ति उत्पन्न होती है, जो ब्रह्मांड के विस्तार को तेज कर देती है।
- विस्तार की दर और इसके त्वरण को हबल नियम के आधार पर अवलोकनों द्वारा मापा जा सकता है।
- इन मापों ने, अन्य वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ, डार्क एनर्जी के अस्तित्व की पुष्टि की है और यह अनुमान लगाया है कि यह रहस्यमय पदार्थ कितना उपलब्ध है।



## डार्क एनर्जी के बारे में जानकारी:-

- शोधकर्ताओं के पास ब्रह्मांड के करोड़ों पिंडों की एक सूची है।
- इन पिंडों की पहचान कर ली गई है लेकिन उनमें से अधिकांश पृथ्वी से कितनी दूर हैं, इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है।
- आकाशगंगाओं की सटीक दूरी की जानकारी मिलने पर ब्रह्मांड के विस्तार दर की गणना करना आसान हो जाएगा।
- ब्रह्मांड के विस्तार दर की गणना से डार्क एनर्जी के रहस्य के बारे में कुछ संकेत मिल सकता है।

## डार्क एनर्जी की परिकल्पना:-

- डार्क एनर्जी की परिकल्पना मुख्य रूप से ब्रह्मांड के तीव्र गति से विस्तार की देखी गई घटना से आती है।
- यह देखा गया है कि तारों और आकाशगंगाओं के बीच के विशाल खाली स्थानों का विस्तार तीव्र गति से हो रहा है, बावजूद इसके गुरुत्वाकर्षण की प्रतिकारी शक्ति जो चीजों को एक साथ खींचने का प्रभाव रखती है।
- वैज्ञानिक इस तीव्र विस्तार के लिए कोई स्पष्टीकरण खोजने में असमर्थ रहे हैं, और यह परिकल्पना करने के लिए मजबूर हुए हैं कि इस विस्तार के कारण कुछ 'डार्क एनर्जी' होनी चाहिए।
- डार्क एनर्जी की प्रकृति को समझना अभी विज्ञान की मूलभूत समस्याओं में से एक है, क्योंकि यह ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास के साथ-साथ इसके अंतिम भाग्य के बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है।

## डेली करंट अफेयर्स (MCQ)

1. भारत को पीछे छोड़ते हुए रूस से सबसे अधिक क्रूड ऑयल का आयात किस देश ने किया है?

- (A) चीन (B) अमेरिका  
(C) कनाडा (D) पाकिस्तान

Ans:-चीन

2. विश्व होम्योपैथी दिस कब मनाया जाता है?

- (A) 9 अप्रैल (B) 10 अप्रैल  
(C) 11 अप्रैल (D) 12 अप्रैल

Ans:-10 अप्रैल

3. भारत द्वारा अधिग्रहीत किया जाने वाला दूसरा अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह कौन बना है?

- (A) सितवे बंदरगाह (B) पोर्ट ऑफ बुसान  
(C) जेबेल अली बंदरगाह (D) तियानजिन बंदरगाह

Ans:-सितवे बंदरगाह

4. 16वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

- (A) आरके सिंह (B) मीनेश शाह  
(C) मनोज पांडा (D) श्रीनिवास पल्लिया

Ans:-मनोज पांडा

5. भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह किस कंपनी ने लांच किया है?

- (A) रिलायंस इंडस्ट्रीज (B) आदित्य बिड़ला  
(C) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स (D) टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड

Ans:-टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड

6. ZiG नामक एक नई स्वर्ण समर्थित मुद्रा किस देश में शुरू की गई है?

- (A) पाकिस्तान (B) यूक्रेन  
(C) जिम्बाब्वे (D) रोमानिया

Ans:-जिम्बाब्वे